K-LINK
Your Global Link

के–विरुबैक्ट

अब आसान

के–विरुबैक्ट बहुव्यापी फफूंद, कीटाणुजन्य और वायरल बीमारियों से प्रतिरोध करता है और मुलायम शरीर वाले चूसक कीटों की जंतुबाधा नियंत्रित करता है|

- के–विरुबैक्ट की मज़बूत जैविक तथा एंटीमाइक्रोबायल गतिविधियों के लिए युगेनोल असरदार होता है|
- एक अनोखा उत्पाद जो छिड़काव घोल में विभिन्न कंसेंट्रेशनों पर फफूंद–रोधी, कीटाणु–रोधी, वायरल–रोधी तथा कीटनाशी के रूप में काम करता है|

के–विरुबैक्ट के 7 सितारें

- एनपीओपी ऑर्गेनिक प्रमाणित
- जैव–अपघटनयोग्य
- अविषाक्त
- शून्य अवशेष
- जैविक के
- उत्पाद एक–समाधान अनेक
- लंबे समय तक भंड़ारण

- **फफूंद–रोधी (एंटी–फंगल):** बीजाणुओ और युगेनोल के मिसेल्स के साथ झिल्ली व्यवधान कार्यों एवं मा आइक्रोमॉल्युकल्स की विकृति के मेकेनिज्म के अपघटकों के कारण फफूंद रोधी गतिविधि| 2 मिली प्रति लीटर पर यह धान, आलू, टमाटर, अंगूर, आम, अनार, पपिता और सब्जियों पर झुलसे, पत्ती धब्बा, भूरी भस्मी फफूंद, रोमिल फफूंद, अगेती झुलसा, फफूंद पत्ती झुलसा आदि जैसे फफूंद रोगों के नियंत्रण म एंटी–फंगल एजेंट के रूप में काम करता है|
- **कीटाणु–रोधी (एंटी–बैक्टीरियल):** कीटाणु रोधी के रूप में युगेनोल प्रोटीन्स को विकृत करके कोशिका झिल्ली फॉस्फोलिपिड्स के साथ प्रतिक्रिया करता है| और उनकी पारगम्यता बदलकर भारी संख्या में ग्राम–नकारात्मक एवं ग्राम सकारात्मक कीटाणुओ को रोकता है| यह सायटोप्लाज्मिक झिल्ली को छिन्न–भिन्न करता है, इसकी गैर–विशिष्ट पारगम्यता बढाता है जिससे झिल्ली के जरिए क्षति पहुंचकर कीटाणुजन्य कोशिका की मृत्यु होती है| 2–3 मिली प्रति लीटर पानी पर यह टमाटर, आलू, चावल, गाजर, ककड़ी आदि में पत्ती धब्बा, पती झुलसा, घुन आदि जैसी कीटाणुजन्य बीमारियों के नियंत्रण कीटाणु–रोधक के रूप में काम करता है|
- **वायरल–रोधी (एंटी–वायरल):** वायरल दोहराव को रोके| वायरल तनाव को असक्रिय करता है| जो कि वाइरियन एन्वलप संरचनाओं में दखल देकर और वायरल संरचनाओं की मास्किंग के ज़रिए करता है, जो अवशोषण या आश्रय कोशिकाओं में प्रवेश के लिए ज़रूरी होता है| युगेनोल उपचार के बाद वायरस कण काफ़ी विस्तार करते हैं जिससे आश्रय कोशिकाओं में वायरस कणों के प्रवेश की पश्च–बाइंडिंग प्रविष्ठि रुकती है| 2–3 मिली प्रति लीटर पानी मिर्ची, भिंडी, टमाटर, पपिता, ककडी, कपास, मसालों आदि पर पत्ती मोडक वायरस, पीले चित्रवर्णी वायरस आदि जैसी वायरल बीमारियों के नियंत्रण म एंटी–वायरल एजेंट के रूप में काम करता है|
- **कीटनाशी**

  लिपोफिलिक प्रकृति का होने के कारण युगेनोल कीटों के मूल चयापचय, जैवरसायनिक तथा शारीरिक एवं व्यवहारगत कार्यों में दखल देता है| इनके समेत विभिन्न कार्य विधियों के ज़रिए भी कार्य करता है:

  - निरोधक और आहार–रोधी गतिविधियां|
  - निर्मोचन और उपत्वचा को तितर–बितर करना|
  - वृद्धि और जनन क्षमता को बाधित करना|
  - ओविपॉजिशन पर रोक और एम्ब्रियोनिक विकास को छिन्न–भिन्न करना|
  - संपर्क होने पर युगेनोल संपर्क कीटनाशी के रूप में कीट के शरीर में घुसता है, निरोधक के रूप में काम करता है, एंटीफीडेंट के रूप म और वृद्धि दर तथा ओविपॉजिशन के रूप में कुछ बायोलॉजिकल मापदंडों को प्रभावित करता है|
  - व्यग्रता, अतिसक्रियता, असेटाइलकोलिनेस्टेरेस गतिविधि या ओक्टोपैमाइन रिसेप्तर्स को प्रभावित करके कीटो को लकवा सहित न्यूरोटॉक्सिक कार्यविधि भी प्रदर्शित करे|
  - 4–6 मिली प्रति लीटर पर घुन, मीली बग्स, सफेद मक्खी, पपडी कीट, चूरदे, लाहू आदि तथा अन्य मुलायम शरीर वाले कीटों के नियंत्रण में कीटनाशी के रूप में काम करे|

- कैसे प्रयोग करें: पर्याप्त मात्रा में पानी में आवश्यक मात्रा को पूरी तरह मिक्स करें और पत्तियों/प्रभावित स्थानों के दोनों तरफ छिड़काव करें|
- प्रतिविष: कोई विशेष प्रतिविष नहीं. लक्षणानुसार उपचार करें|

के–विरुबैक्ट के फायदें:

- उत्पाद एक–काम अनेक
- तैयार उपलब्ध के स्त्रोत
- बहुव्यापी कीट व रोग नियंत्रण गतिविधि
- बाजार में अन्य उत्पादों की तुलना में वायरल तनाव पर बेहतर नियंत्रण
- 100% सुरक्षित
- अलक्षित जैविकों को शून्य खतरा
- पैटेंटशुदा टेक्नोलॉजी
- प्राचीन वृक्षायुर्वेद पर आधारित

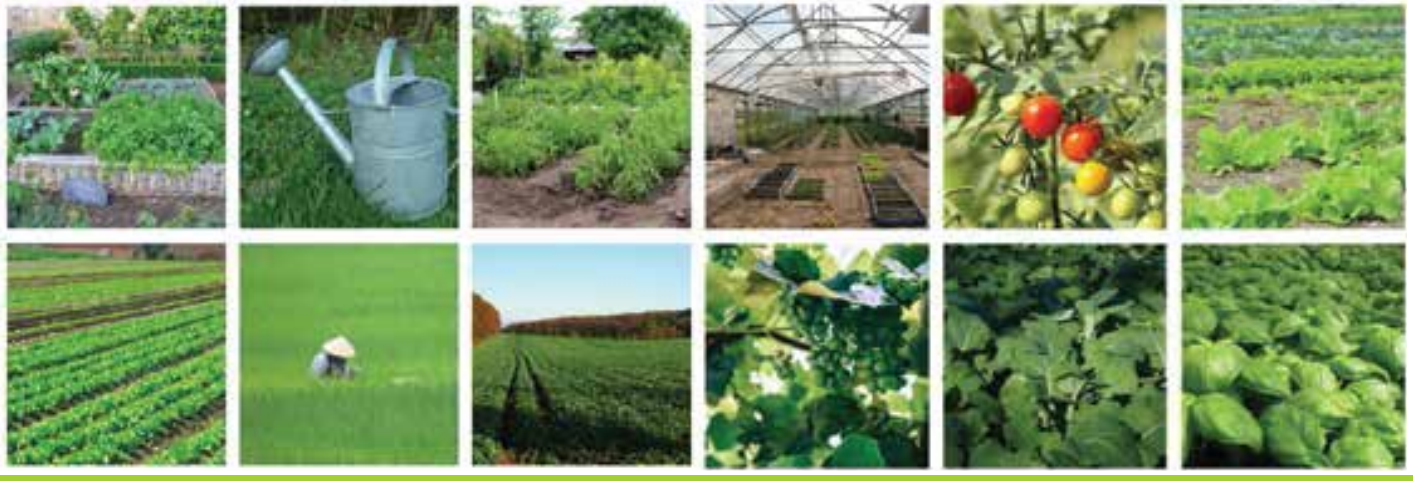

Marketed by :
K-LINK Healthcare (India) Pvt. Ltd.
Door No. 103 A, 7th floor, NAVIN'S PRESIDIUM,
Nelson Manickam Road, Aminjikarai, Chennai - 600029.
TamilNadu, India.
Website : www.klinkindia.in

Your Global Link

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: